सांध्य दैनिक 4PM

एक नायक सौ में एक पैदा होता है, एक बुद्धिमान व्यक्ति हजारों में एक पाया जाता है, लेकिन एक सम्पूर्ण व्यक्ति शायद एक लाख लोग में भी ना मिले। -प्लेटो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 286 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 24 नवम्बर, 2025

यो-यो राजेश्वर राजनीति के रॉकस्टार... 7
आंध्र में निवेश को लेकर बढ़ा... 3
यूपी के किसान बिचौलिए के... 2

जुल्मी एसआईआर

16 बीएलओ की मौत 17 पर एफआईआर

बोले कांग्रेस नेता- सत्ता की रक्षा के लिए लोकतंत्र की बलि

» एक तरफ कुंआ दूसरी तरफ खाई

» राहुल गांधी की हुंकार, मोदी पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसआईआर की सुलगती चिंगारी क्या शोला बन रही है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर ड्यूटी में लगे बूथ लेवल आफिसर बीएलओ की हो रही मौत का मुदा उठाया है। राहुल गांधी ने कहा है कि एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरातफरी मचा रखी है।

एसआईआर थोपा गया जुल्म है और इसी का नतीजा है कि तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय चुनाव आयोग ने ऐसा सिस्टम बनाया है जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची के हजारों स्कैन पन्ने पलटने पड़ें। मकसद साफ है सही मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना रोक टोक जारी रहे।

एसआईआर एक षडयंत्र!

राहुल गांधी ने कहा है कि अगर सरकार की नीयत साफ होती तो लिस्ट डिजिटल, सर्चेबल और मशीन-रीडेबल होती और ईसीआई 30 दिन की हड़बड़ी में अंधाधुंध काम ठेलने के बजाय उचित समय लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान देता। उन्होंने कहा कि एसआईआर एक सोची-समझी चाल है। जहां नागरिकों को परेशान किया जा रहा है और बीएलओ के अनावश्यक दबाव से मौतों को कालैटरल डैमेज मान कर अनदेखा किया जा रहा है । यह नाकामी नहीं षड्यंत्र है और सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि है।

कोलकाता के सात बीएलओ को कारण बताओ नोटिस

निर्वाचन आयोग ने कोलकाता के बेलियाघाटा निर्वाचन क्षेत्र के सात बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) गणना फॉर्म के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में खामियों का हवाला देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। शिकायत एकत्रित गणना प्रपत्रों के अनुचित एवं अपूर्ण डिजिटलीकरण से संबंधित है। बीएलओ को यह बताने का निर्देश दिया गया है कि वे सौंपे गए कार्यों को ठीक से पूरा करने में क्यों विफल रहे। यदि स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाया गया तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दूसरे चरण का संचालन कर रहा है, जहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने हैं।

नोएडा में 17 बीएलओ पर एफआईआर

एनसीआर नोएडा के जेवर क्षेत्र में एसआईआर में देरी और गणना प्रपत्रों की प्रक्रिया को धीमा करने के आरोप में 17 बीएलओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। यह कार्रवाई एसडीएम के आदेश पर की गयी है। जानकारी के मुताबिक मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एसआईआर फार्म भरवाने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा था जिससे निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। प्रशासन के बार-बार निर्देशों के बाद भी बीएलओ अपने निर्धारित दायित्वों को सही ढंग से पूरा नहीं कर रहे थे। एसआईआर अभियान के तहत लोगों से गणना प्रपत्र भरवाने का काम 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चल रहा है। लेकिन अब तक 1 लाख से कम लोग यानी कुल संख्या का केवल 25 प्रतिशत ही अपना विवरण जमा कर सके हैं। निर्देशों के अनुसार बीएलओ को घर-घर जाकर फार्म भरवाने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि कोई भी मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और सभी जानकारी सही तरीके से अपडेट हो सके। प्रशासन ने कहा है कि सुधार न होने पर यह सख्त कदम उठाया गया है।

चुनावी मशीनरी की धड़कन होता है बीएलओ

देश की चुनाव मशीनरी का दिल और धड़कन बीएलओ होता है। यह वही व्यक्ति है जो घर-घर जाकर मतदाता सूची अपडेट करता है। भूगोल, मौसम, बीमारी, सुरक्षा-सबसे लड़ते हुए ड्यूटी निभाता है और मतदान वाले दिन सबसे पहले पहुंचता और सबसे अंत में निकलता है। राहुल गांधी का आरोप है कि बीएलओ पर दबाव है कि वह वोटर लिस्ट से लोगों के नाम कांटे। बीएलओ पर कम समय में ज्यादा काम करने का दबाव है। सारा प्रेशर बीएलओ पर दे दिया गया है और अधिकारी अपने बंद कमरों में बैठकर सिर्फ आदेश पारित कर रहें? जिसके चलते बीएलओ की जान जा रही है। उन्होंने सवाल पूछा है कि क्या कभी इससे पहले इतने कम समय में इतने ज्यादा बीएलओ की मौत की खबरे सुनी?

यूपी के किसान बिचौलिए के चंगुल में हैं : अखिलेश यादव

» बोले- भाजपा सरकार किसानों को नहीं दे पा रही है खाद, बिक्री में कर रहे मुनाफाखोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा ने जनता से किए वादों को पूरा नहीं किया। जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा से हिसाब लेगी। जनता भाजपा से पूछेगी कि जो वादे किए थे, वे कितने पूरे हुए।

भाजपा सरकार ने विकास का कोई कार्य नहीं किया। सिर्फ भ्रष्टाचार किया और बजट की लूट की। समाजवादी सरकार में हुए विकास कार्यों को भी बर्बाद कर दिया है। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार किसानों को खाद नहीं दे पा रही है। मंडियों को बर्बाद कर दिया। किसानों को फसलों की सही कीमत नहीं मिल रही हैं। बिचौलिए किसानों की फसल औने-पौने दाम पर खरीदकर मुनाफा कमा रहे हैं।

जनता को एसआईआर में उलझाया

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को एसआईआर में उलझा दिया है। आयोग बिना तैयारी किए एसआईआर करा रहा है। समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बूथों पर सावधानी और सतर्कता के साथ एसआईआर में लोगों की मदद करें। सभी मतदाताओं का वोट बनवाएं। किसी मतदाता का वोट कटने न पाए। चुनाव आयोग ने जो व्यवस्था तय की है और उसके तहत काम नहीं होगा तो फार्म रिजेक्ट हो जायेगा। वोट कट जाएगा। चुनाव आयोग कह रहा है कि सब फार्म बंट गए, जबकि आधे मतदाताओं तक फार्म नहीं पहुंचा है। खिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा राज्य है। यहां करोड़ों मतदाताओं का वोट बनना है। इसी बीच शादियां और वैवाहिक कार्यक्रम भी हैं, इसलिए चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया का समय तीन माह बढ़ाए।

मुझे बुलाया नहीं गया पर मै नंगे पैर जाऊंगा : अवधेश प्रसाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर में भव्य ध्वजारोहण समारोह के लिए अयोध्या का दौरा करेंगे, जो मंदिर निर्माण के पूरा होने का प्रतीक है। हालांकि, इसको लेकर सियासत भी हो रही है। स्थानीय सांसद और सपा नेता अवधेश प्रसाद का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 25 तारीख को भगवान श्री राम के मंदिर आ रहे हैं। मैं उन्हें बधाई देता हूँ और उनका हार्दिक स्वागत करता हूँ... मुझे उम्मीद है कि उनके आगमन से जिन लोगों के घर यहाँ उजड़े हैं, उन्हें फिर से बसाया जाएगा, जिन किसानों की जमीन

सपा सांसद ने फिर उठाया उचित मुआवजे का मुद्दा

ली गई थी, उनके लिए उचित मुआवजे का दरवाजा खुलेगा और बेरोज़गार पढ़े-लिखे नौजवानों को सरकारी नौकरी मिलेगी। सपा सांसद ने आगे कहा कि यहाँ जन्म लेने के बावजूद मुझे वहाँ नहीं बुलाया गया... जनता ने मुझे यहाँ जिताया, तो मुझे कार्ड मिलना चाहिए था। मैंने यह भी सुना है कि बाहर के लोग ज़्यादा आ रहे हैं, जबकि स्थानीय लोगों को मौका नहीं मिला है। अगर बुलाया गया, तो मैं नंगे पैर जाऊँगा... वे हमें नज़रअंदाज़ कर रहे हैं; यह बात सिर्फ़ ट्रस्ट के सदस्य ही जानते हैं। 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह से पहले भगवान राम के दर्शन के लिए सोमवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुँचे।

तेज प्रताप यादव ने दीपक प्रकाश के मंत्री बनने पर कसा तंज

» बोले जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष - है न मोदी-नीतीश का जादू?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल में उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को जगह दी है। दीपक के बिना चुनाव लड़े मंत्री बनने पर सियासत जारी है। अब इस मामले में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने भी एक्स पर पोस्ट किया है। एक खास फोटो दिखाकर उन्होंने सीएम नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है।

तेज प्रताप ने उन्हें जादूगर बताया है। तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट डाला। उसमें लिखा कि सासाराम में जमानत जब्त कराने वाले निर्दलीय प्रत्याशी रामनारायण पासवान के काउंटिंग एजेंट बने दीपक प्रकाश बिना चुनाव लड़े नीतीश सरकार में मंत्री बन गए। है ना मोदी-नीतीश का जादू? तेज प्रताप की इस ट्वीट पर यूजर्स के खूब कमेंट्स आ रहे हैं। आम तौर पर चुनाव जीतने के बाद या एमएलसी होने पर कोई व्यक्ति मंत्री बनता है। उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। वे एमएलसी भी नहीं हैं। लेकिन 20 नवम्बर को शपथ ग्रहण से ठीक पहले उनके मंत्री पद की शपथ लेने की खबर आई तो सियासी हलचल मच गया।

बेटे के मंत्री बनने से उपेंद्र कुशवाहा विरोधियों के निशाने पर आ गये हैं। उन पर परिवारवाद करने का आरोप भी लगाया जा रहा है। यह मामला तब और सुलग गया जब इस बात का भांडाफोड़ हुआ कि दीपक प्रकाश अपनी मां स्नेहलता के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ रहे रामायण पासवान के काउंटिंग एजेंट बने थे। उनका परिचय पत्र भी वायरल हो गया।

कांग्रेसियों की वजह से बनी भाजपा की हरियाणा में सरकार : अभय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। रोहतक के सिसरौली गांव पहुंचे इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को निशाने पर लिया है। यहां एक जनसभा को संबोधित हुए उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि विधानसभा में फिर जाने का मौका मिला तो कांग्रेसियों को मुर्गा बनाने का काम करेंगे।

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय ने कहा कि कांग्रेसियों ने ही हरियाणा में भाजपा की एक बार फिर सरकार बनवाने का काम किया है। साथ ही उन्होंने प्रत्येक माह गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में कार्यक्रम कर भूपेंद्र सिंह हुड्डा व उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा की पोल खोलने की बात भी कही।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष के कारण टूटा निकाय चुनाव में गठबंधन : नीलेश राणे

» भाजपा व शिवसेना में सतह पर आई तनातनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। नीलेश राणे ने सिंधुदुर्ग नव गठित शहर विकास आघाडी के प्रचार अभियान के दौरान कहा कि गठबंधन भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के कारण नहीं, बल्कि चव्हाण के कारण टूटा है। राणे और चव्हाण के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण को सिंधुदुर्ग में दो दिसंबर को होने वाले नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन टूटने का दोषी ठहराया है।

नीलेश राणे ने सिंधुदुर्ग नव गठित शहर विकास आघाडी के प्रचार अभियान के दौरान शुक्रवार को कहा कि गठबंधन भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के कारण नहीं,

बल्कि चव्हाण के कारण टूटा है। राणे और चव्हाण के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। राणे ने सवाल किया, ''यदि रत्नागिरी के राजापुर और लांजा में शिवसेना के साथ सीट बंटवारा संभव था और ऐसा समायोजन चिपलुन में भी हो सका, तो सिंधुदुर्ग के प्रति नाराजगी क्यों?'' उन्होंने दावा किया, ''मालवन में हम 10 सीट देने को तैयार थे और सवंतवाडी में (शिवसेना नेता) दीपक केसरकर 50-50 फॉर्मूले के लिए तैयार थे। कणकवली में हमें कहा गया कि हम केवल एक या दो सीट पर चुनाव लड़ सकते हैं। बैनर से हमारी तस्वीर हटा दी गईं। अगर उन्होंने सिर्फ मेरी तस्वीर हटायी तो ठीक था, लेकिन (उप मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख) एकनाथ शिंदे की तस्वीर हटाने से हमें दुख हुआ।''राणे ने चव्हाण के सिंधुदुर्ग में तीन दिन तक रहने पर भी सवाल उठाया और कहा, ''वह अंतिम चरण में बताएंगे कि उनकी बैठकों में क्या निर्णय लिया गया।'' उन्होंने कहा कि मतभेद के बावजूद शिवसेना ने गठबंधन बनाए रखने का प्रयास किया।

भाई ने किसी का नाम नहीं लिया : नितेश

नीलेश के छोटे भाई, भाजपा नेता एवं राज्य के मंत्री नितेश राणे ने विवाद को तूल नहीं देने की कोशिश की और कहा, ''उनके भाई ने किसी का नाम नहीं लिया है।'' चव्हाण और भाजपा के अन्य नेताओं ने नीलेश राणे के आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रि या नहीं दी है। नीलेश कहा कि अब उन्होंने

फैसला किया है कि (उनके पिता एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता) नाराया राणे जो भी कहेंगे वह उन्हें स्वीकार होगा। राणे ने यह भी कहा कि गठबंधन नहीं चाहने के कारण अब भी स्पष्ट नहीं है और केवल रवींद्र चव्हाण ही इसे समझा सकते हैं। शहर विकास आघाडी में शिवसेना, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) शामिल हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मराठी मानुष के अस्तित्व पर मंडरा रहा है खतरा : राज ठाकरे

» एमएनएस प्रमुख की मराठियों को चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राज ठाकरे ने मराठी भाषियों को बीएमसी चुनावों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी दी है, अन्यथा यह उनके लिए अंतिम चुनाव हो सकता है, जो मुंबई में राजनीतिक शक्ति संतुलन पर गहन विश्लेषण का संकेत देता है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि अगर मराठी भाषी सतर्क नहीं रहे तो आगामी बृहन मुंबई महानगरपालिका चुनाव उनके लिए आखिरी चुनाव साबित हो सकते हैं।

ठाकरे ने यहां मनसे कोंकण महोत्सव

के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की। मनसे प्रमुख कहा, ''अपनी सतर्कता कायम रखिए, वरना नुकसान निश्चित है। अगर आप सतर्क नहीं रहे तो आने वाला बृहन्मुंबई महानगर पालिका का चुनाव मराठी मानुष के लिए आखिरी चुनाव होगा। और इसके परिणाम दूरगामी होंगे।'' राज ठाकरे ने मतदाता सूची में विसंगतियों का मुद्दा उठाया था और हाल ही में विपक्ष द्वारा निकाले गए संयुक्त मार्च में शामिल हुए थे। शिवसेना (यूबीटी) ने पिछले हफ्ते कहा कि मुंबई सिविक बॉडी के आने वाले चुनावों में कांग्रेस का अकेले लड़ने का ऐलान अपोजिशन यूनिटी के लिए नुकसानदायक है और मुंबई को अलग करने के भाजपा के प्लान को नाकाम करने के लिए मिलकर लड़ने की ज़रूरत पर जोर दिया। सेना ने सामना में सहयोगी कांग्रेस की इस चिंता को हल्के में लिया गया कि अगर राज ठाकरे की लीडरशिप वाली एमएनएस को इंडियागठबंधन में शामिल कर लिया जाता है, तो उसके नॉर्थ इंडियन और मुस्लिम वोटर बेस में सेंध लग सकती है।

आंध्र में निवेश को लेकर बढ़ा सियासी आवेश

कांग्रेस बोली- बाते करती है एनडीए सरकार

- विपक्ष का टीडीपी- भाजपा पर प्रहार
- जगन बोले सीएम ने राज्य को किया कंगाल
- सीएम का दावा बढ़ रही है अर्थव्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश इन दिनों निवेश, बजट व सीएजी को लेकर बवाल मचा हुआ है। प्रदेश की टीडीपी-भाजपा की राजग गठबंधन के राज्य की अर्थव्यथा पर बड़े-बड़े दावों परविपक्ष ने सवाल उठाया है।

वाईएसआर के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी व कांग्रेस की नेता शर्मिला ने वहां के सीएम चंद्र बाबम नायडू पर निशाना साधा है। उन लोगों ने सीएम से निवेश के दावों पर कानूनी हलफनामा मांगा है। विजयवाड़ा में कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, एपीसीसी प्रमुख ने बताया कि सरकार ने दावा किया है कि चंद्रबाबू नायडू के विजन और नारा लोकेश के प्रयासों के परिणामस्वरूप 13.25 लाख करोड़ रुपये के 613 समझौता ज्ञापन हुए, जिससे 16.31 लाख वादा किए गए रोजगार पैदा हुए।

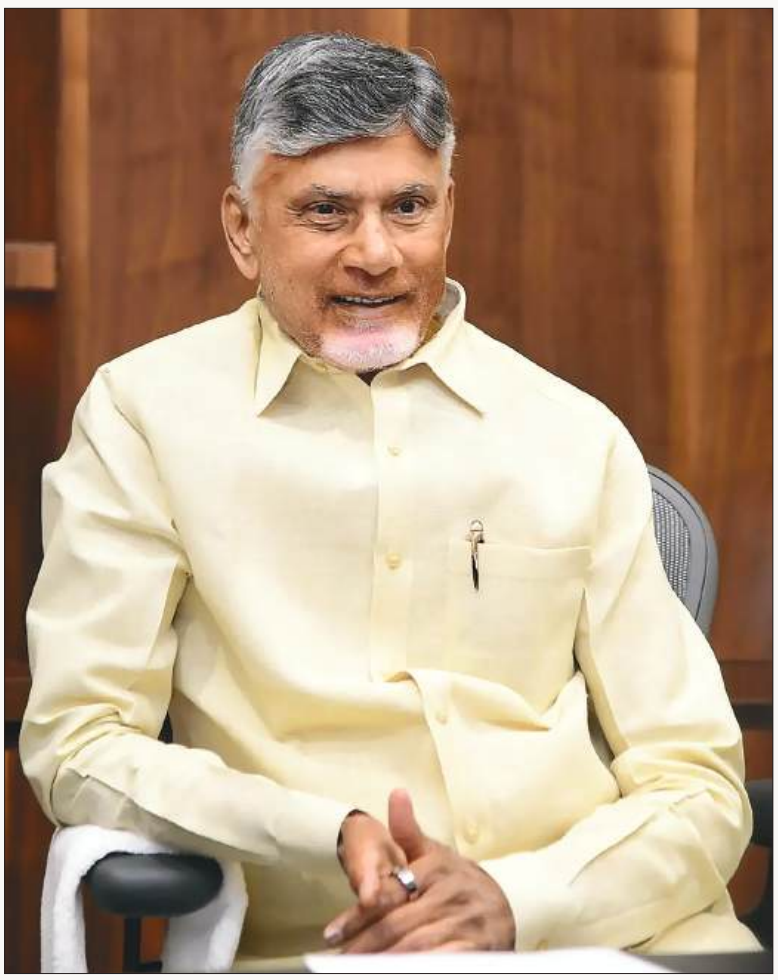

बड़ी-बड़ी घोषणाएँ कभी पूरी नहीं हुईं

शर्मिला रेड्डी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में चंद्रबाबू नायडू और वाई एस जगन मोहन रेड्डी दोनों प्रशासनों द्वारा इसी तरह के बड़े-बड़े दावे बार-बार किए गए हैं। वाई एस शर्मिला रेड्डी ने दावा किया, अगर पिछले साझेदारी शिखर सम्मेलनों या वैश्विक शिखर सम्मेलनों में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) लागू होते, तो आंध्र प्रदेश में 50 लाख से ज़्यादा नौकरियाँ पैदा होतीं। लेकिन दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा की गई ये बड़ी-बड़ी घोषणाएँ कभी पूरी नहीं हुईं। उन्होंने आगे बताया कि सीबीएन द्वारा आयोजित पिछले शिखर सम्मेलनों में कुल 1761 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिनमें 19 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता और 30 लाख नौकरियों का वादा किया गया था। 2023 के वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान, वाई एस जगन मोहन रेड्डी सरकार ने 360 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) से 13 लाख करोड़ रुपये के निवेश और 20 लाख नौकरियों की घोषणा की थी। एपीसीसी प्रमुख ने कहा, वादों का 10प्रतिशत भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने आगे चिंता व्यक्त की कि अधूरे वादों के कारण, आंध्र प्रदेश के युवा दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं या कम वेतन वाली अस्थायी नौकरियाँ कर रहे हैं। अंत में, वाई.एस. शर्मिला रेड्डी ने कहा, कांग्रेस चाहती है कि कंपनियाँ सचमुच आएँ और नौकरियाँ पैदा हों। लेकिन हम समझौता ज्ञापनों, निवेश और रोज़गार सृजन के नाम पर लोगों को बार-बार ठगने की इजाजत नहीं दे सकते।

नायडू एक स्टाम्प लगे हलफनामे पर लिखित में दें राज्य को निवेश से क्या लाभ मिले : शर्मिला रेड्डी

आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाई एस शर्मिला रेड्डी ने आज मांग की कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू एक स्टाम्प लगे हलफनामे पर लिखित, कानूनी रूप से बाध्यकारी आश्वासन दें, जिसमें विस्तार से बताया जाए कि हाल ही में संपन्न सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 से आंध्र प्रदेश के लोगों को वास्तव में क्या ठोस लाभ प्राप्त होंगे। विजयवाड़ा में कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, एपीसीसी प्रमुख ने बताया कि सरकार ने दावा किया है कि चंद्रबाबू नायडू के विजन और नारा लोकेश के प्रयासों के परिणामस्वरूप 13.25 लाख करोड़ रुपये के 613 समझौता ज्ञापन हुए, जिससे 16.31 लाख वादा किए गए रोजगार पैदा हुए।

आंध्र प्रदेश के राजकोषीय संकेतक अर्थव्यवस्था में सुस्ती बयां कर रहे: जगनमोहन रेड्डी

वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के आंकड़ों का हवाला देते हुए रविवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के राजकोषीय संकेतक अर्थव्यवस्था में सुस्ती दर्शाते हैं। रेड्डी ने कहा कि कैग की ओर से जारी पहली छमाही के आंकड़े वास्तविक स्थिति को उजागर करते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया,राज्य का अपना कर राजस्व पहली छमाही में साल-दर-साल केवल 7.03 प्रतिशत बढ़ा, जबकि संयुक्त जीएसटी और बिक्री कर राजस्व में केवल 2.85 फीसदी की वृद्धि हुई। रेड्डी ने लिखा कि ये आंकड़े तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन के इस आश्वासन के विपरीत हैं कि उसके शासन में सरकारी राजस्व में तेजी से वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि 2023-24 से 2025-26 तक की दो साल की अवधि में राज्य के अपने कर राजस्व की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) केवल 2.75 प्रतिशत है, जो सरकार की ओर से अनुमानित राजकोषीय प्रदर्शन से कहीं कम है।

आर्थिक सुधारों ने दशा बदल दी है : मुख्यमंत्री नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की स्थिति में पहुंच गया है। भारतीय संविधान के लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ (एपीएचसीएए) के सम्मेलन में नायडू ने कहा कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। नायडू ने कहा, ''आर्थिक सुधारों ने देश की दशा बदल दी है और भारत एक साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की स्थिति में पहुंच गया है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर, 2047 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। न्यायपालिका की भूमिका के बारे में नायडू ने कहा कि यह लोकतंत्र के चार स्तंभ में से एक है और विधायिका, कार्यपालिका एवं मीडिया की तुलना में अधिक स्थिरता प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ''जब भी व्यवधान उत्पन्न होता है, न्यायपालिका उसे सुधारने और लोकतंत्र की सच्ची भावना को बनाए रखने के लिए आगे आती है।'' सम्मेलन में भारत के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धीरज सिंह ठाकुर, वरिष्ठ न्यायाधीश, कानूनी विशेषज्ञ और प्रमुख जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

बीआरएस का तेलंगाना सरकार 5 लाख करोड़ के घोटाले का आरोप

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार की नई घोषित हैदराबाद औद्योगिक भूमि परिवर्तन नीति (एचआईएलटीपी) बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के अंदर औद्योगिक भूमि को बहु-उपयोगी क्षेत्रों में बदलने का प्रयास करती है। केटीआर ने दावा किया कि इस घोटाले से राज्य के खजाने को 5 लाख करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। हैदराबाद में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, केटीआर ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर राजनीतिक रूप से जुड़े बिचौलियों, रिश्तेदारों और रियल एस्टेट समूहों के लाभ के लिए हजारों एकड़ उच्च मूल्य वाली औद्योगिक भूमि को बहुत कम कीमतों पर बहु-उपयोगी अचल संपत्ति में

बदलने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने तर्क दिया कि सरकार द्वारा परिवर्तन और नियमितीकरण पहल के रूप में पेश की गई यह नीति, वास्तव में 5 लाख करोड़ रुपये के घोटाले का खाका है। केटीआर ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य बालानगर, जीदीमेटला, सनथनगर और आजमाबाद में प्रमुख औद्योगिक समूहों की लगभग 9,292 एकड़ जमीन को नियमित करना है। उन्होंने कहा कि इन ज़मीनों का खुले बाज़ार मूल्य, जो 40 करोड़ रुपये से 50 करोड़ रुपये प्रति एकड़ अनुमानित है, इनकी कुल कीमत 4 लाख करोड़ रुपये से 5 लाख करोड़ रुपये के बीच है। केटीआर ने आरोप लगाया, और कहा कि एसआरओ दरें स्वयं वास्तविक बाजार मूल्य से चार से पांच गुना कम हैं। लेकिन रेवंत इन जमीनों को पुरानी एसआरओ दर के मात्र 30 प्रतिशत पर सौंपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने नीति को लागू करने में असाधारण जल्दबाजी पर सवाल उठाया और 7 दिनों की आवेदन अवधि, 7 दिनों की स्वीकृति अवधि और 45 दिनों के भीतर पूर्ण नियमितीकरण जैसे प्रावधानों का हवाला दिया। केटीआर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के करीबी लोग भूमि समझौतों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने पूछा लाखों करोड़ रुपये के मामले में इतनी तेज गति क्यों? केटीआर ने कहा कि औद्योगिक भूमि मूल रूप से रोजगार पैदा करने और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रियायती कीमतों पर आवंटित की जाती थी, अक्सर किसानों से अधिग्रहित की जाती थी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर निजी खिलाड़ियों को अप्रत्याशित लाभ पहुँचाकर इस इरादे को कमज़ोर करने का आरोप लगाया। हमने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया क्योंकि सार्वजनिक भूमि निजी लाभार्थियों को उपहार में नहीं दी जा सकती।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मजदूरों के कई और दर्द उनकी सुनवाई कब

“ सरकारों को चाहिए की अपने राज्यों में ऐसी व्यवथा करें ताकि उन्हें अपना राज्य न छोड़ना पड़े अगर राज्य को छोड़ें भी तो उनकी सुरक्षा के लिए संबंधित राज्य को ठो स कद उठाने चाहिए। इसमे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका केंद्र सरकार की है। प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता।

सरकार ने लेबर को ड जारी किए हैं। दावा किया जा रहा है इससे श्रमिकों को लाभ होगा। पर अभी से कु छ भी कहना जल्दबाजी होगा। चूकि देश में बहुत कानून हैं फिर भी मजदूरों का पुरसाहाल नहीं है। भारत के गरीब राज्यों के लोग बड़े राज्यों खासतौर से दक्षिण व पश्चिम राज्यों में काम की तलाश में लाखों की संख्या में जाते है। पर आए दिन इन मजदूरों खास तौर से बिहार,यूपी व बंगाल वालों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया जाता है। यहां तक की उनके साथ मारपीट की खबरें आती हैं। ये भी एक बड़ी परेशानी है। ज्यादातर इसमें राजनीति ज्यादा दिखाई देती है। सरकारों को चाहिए की अपने राज्यों में ऐसी व्यवथा करें ताकि उन्हें अपना राज्य न छोड़ना पड़े अगर राज्य को छोड़ें भी तो उनकी सुरक्षा के लिए संबंधित राज्य को ठो स कद उठाने चाहिए। इसमे सबसे महत्वपूर्ण भूमिका केंद्र सरकार की है। प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं।

वेतन वाले दिन यह श्रमिक इन अपराधी तत्वों का विशेष लक्ष्य होते हैं और फैक्ट्री से घर जाते समय इनको रास्ते में लूट लिया जाता है। पुलिस प्रशासन इनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं देता और कई बार तो प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती। बहुत सी श्रमिक बस्तियां सड़ क, बिजली, पानी, सीवरेज जैसे मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं और इन श्रमिकों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। राजनीतिक दल बहला फुसला कर इनसे वोटें तो हासिल कर लेते हैं परंतु असंगठित होने के कारण इनकी मांगों पर गौर तक नहीं किया जाता। समय की मांग है कि आपराधिक कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करते हुए श्रमिक वर्ग के खिलाफ अभियान चलाने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्ती से पेश आया जाए और पंजाब में निवास कर रहे बाहरी राज्यों के श्रमिकों को पूरी सुरक्षा व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। प्रदेश में चले इस अभियान को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि प्रदेश पिछले कई दशकों से अलगाववाद की आग में जल रहा है। बिखराव की इस आंच में अलाव डालने का काम देश-विदेश में बैठी समाज विरोधी शक्तियां कर रही हैं। सोशल मीडिया पर चल रहे इस अभियान के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैण्डलरों के थ्रेड ही चेक कर लिए जाएं तो सारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि इसके पीछे कौन हैं। समाज को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। सभी को मिलकर प्रवासी मजदूरों के पक्ष में आवाज उठानी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

तमिल राजनीति और केंद्र-राज्य टकराव

प्रमोद जोशी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 20 नवंबर को राष्ट्रपति और राज्यपालों द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने के लिए पहले इसी अदालत द्वारा निर्धारित अपनी ही समय-सीमा वापस जरूर ले ली, पर असाधारण स्थितियों में राज्यों के लिए अदालत का दरवाजा भी खुला रहने दिया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि न्यायालय कार्यपालिका की शक्तियों का अतिक्रमण नहीं कर सकता। न्यायालय ने यह भी कहा है जब कोई राज्यपाल कानून बनाने की प्रक्रिया में 'लंबी, अस्पष्ट और अनिश्चित' देरी का कारण बने, तब राज्य सरकार अदालत की शरण ले सकती है। इस तरह से अदालत ने केंद्र और राज्यों के बीच एक जटिल राजनीतिक मुद्दे में नाज़ुक संतुलन बनाने की कोशिश की है।

अदालत ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि 8 अप्रैल के फैसले के कारण तमिलनाडु के जिन 10 कानूनों पर राज्यपाल की स्वीकृति मान ली गई थी, उनकी स्थिति क्या होगी। कुछ संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि वे कानून बन चुके हैं और उनकी अधिसूचना गजट में भी हो चुकी है, इसलिए उन्हें स्वीकृत मान लेना चाहिए। दशकों से देश राज्यपालों की भूमिका को लेकर विमर्श कर रहा है, पर रास्ता अभी तक नहीं निकला है। हां, इतना जरूर हुआ कि सुप्रीम कोर्ट के बोम्मई मामले में फैसले के बाद राज्यों में सरकारों की बर्खास्तगी का चलन खत्म हो गया और सरकारों के बनने-बिगड़ने का स्वीकृत सिद्धांत बन गया। अप्रैल में न्यायिक-हस्तक्षेप ऐसे समय में हुआ था, जब गैर-भाजपा दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों और सरकारों के बीच तनाव चरम पर था। खासतौर से तमिलनाडु में एमके स्टालिन की डीएमके सरकार भाषा तथा मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 'नीट' से छूट को लेकर केंद्र सरकार के साथ टकराव की मुद्रा में थी। इस मामले को लेकर तमिलनाडु सरकार 2023 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है। गत 15 नवंबर को उन्होंने एक और याचिका दायर की है। इन बातों को अगले छह महीनों में होने वाले राज्य विस के चुनाव की पूर्व-पीठिका के रूप में भी देखना चाहिए।

देश में शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है। इसे लेकर कई तरह के टकराव हैं। पिछले कुछ समय से तमिलनाडु सरकार ने तीन भाषा सूत्र, चुनाव-क्षेत्र परिसीमन और 'नीट' जैसे मसलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इन मामलों के कारण राजनीतिक-कोलाहल

तो हुआ है, पर बुनियादी तौर पर कुछ हुआ नहीं है। इस साल अप्रैल में, उच्चतम न्यायालय के दो-न्यायाधीशों वाली पीठ ने राज्यपालों के लिए लंबित विधेयकों पर कार्रवाई करने हेतु एक समय-सीमा निर्धारित की थी। अदालत ने पहली बार यह निर्धारित किया था कि राष्ट्रपति राज्यपाल द्वारा विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय करें। हाल के दिनों में, राजभवनों ने विपक्ष शासित राज्यों में राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों में देरी करके एक अवरोधक भूमिका निभाई है। मई में सर्वोच्च न्यायालय को भेजे एक संदर्भ में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस फैसले पर 14 महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। क्या न्यायालय ने राज्यपालों द्वारा उत्पन्न संवैधानिक गतिरोध को दूर करने के प्रयास में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का अतिक्रमण किया है, जो संविधान के मूल ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अदालत ने अब संतुलित रुख अपनाते हुए अपनी सलाह में कहा है कि न्यायपालिका को 'विधायी प्रक्रिया में दखलंदाज़ी' की अनुमति देना 'शक्तियों के पृथक्करण की दीवारों को तोड़ना' होगा।' साथ ही यह भी कहा, 'इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि न्यायिक समीक्षा भी मूल ढांचे का एक हिस्सा है... हालांकि, यह न्यायिक समीक्षा कोई बेलगाम दायरा नहीं है जो शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को नकार या नष्ट कर सके।' केंद्र सरकार ने भी अप्रैल के फैसले को लेकर टकराव पैदा करने के बजाय, न्यायालय से राय मांगकर अच्छा किया। वस्तुत: राज्यपाल को 'रबर स्टैंप' मानना भी अनुचित है। संविधान ने राज्यपाल को एक ऐसी कड़ी के रूप में देखा है जो बहुस्तरीय व्यवस्था के दो स्तरों को जोड़ती है, न कि उन्हें विभाजित करती है। अलबत्ता अब न्यायालय की राय यह भी दर्शाती है कि उसकी भूमिका 'स्पष्ट परिस्थितियों' तक सीमित है।

अब अदालत ने अपनी सलाह में कहा है कि राज्यपालों की तथाकथित 'निष्क्रियता' के बावजूद, 'संवैधानिक न्यायालय राज्यपाल और राष्ट्रपति के विवेक और विचारों का स्थान नहीं ले सकते।' तमिलनाडु विस से पास होने के बावजूद दस विधेयकों को रोक कर रखने के राज्यपाल रवि के फैसले को अवैध करार देते हुए अप्रैल में उच्चतम न्यायालय ने एक संवैधानिक पेच को खोल ज़रूर कर दिया, पर इससे केंद्र-राज्य संबंधों और राज्यपालों की भूमिका से जुड़ी पहेलियों का हल पूरी तरह नहीं हुआ था।

एआई से मुकाबले के लिए जरूरी मानवीय क्षमताएं

डॉ. शशांक द्विवेदी

आज हम ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन, कामकाज और सोचने के तरीके को बदल रही है। एआई आज हर क्षेत्र—शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, उद्योग, मीडिया-में अपनी पैठ बना चुकी है। जहां एक ओर यह तकनीक कार्यक्षमता बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर यह चिंता भी बढ़ा रही है कि भविष्य में क्या मनुष्य के रोजगार छिन जाएंगे? यह सवाल बेहद प्रासंगिक है। क्या इंसान एआई से मुकाबला कर पाएगा? जवाब है—हां, बिल्कुल कर सकता है। लेकिन इसके लिए ज़रूरी है कि हम ऐसी क्षमताएं विकसित करें जिनकी बराबरी एआई कभी नहीं कर सके। एआई तेज़ी से डेटा को प्रोसेस कर सकता है, पैटर्न पहचान सकता है, और जटिल निर्णय भी ले सकता है। लेकिन यह एक सच्चाई है कि एआई में मानवीय भावनाएं, नैतिकता, रचनात्मकता और सहानुभूति नहीं होती।

एआई 'सोचता' नहीं, बल्कि 'सीखाए गए पैटर्न' पर काम करता है। यह वही कर सकता है जो उसे सिखाया गया है; नई परिस्थितियों में मानवीय समझ या संवेदनशीलता नहीं दिखा सकता। इसलिए, भविष्य उन्हीं लोगों का होगा जो अपनी मानवीय क्षमताओं को निखारेंगे और तकनीक को अपना सहयोगी बनाएंगे, प्रतिस्पर्धी नहीं। एआई से आगे रहने के लिए विकसित की जाने वाली मुख्य क्षमताएं मानवीय पूंजी है। एआई के पास भावनाएं नहीं हैं, लेकिन इंसानों के पास यह सबसे बड़ी ताकत है। नेतृत्व, टीम वर्क, ग्राहक सेवा, या लोगों के साथ जुड़ने की क्षमता-ये सब भावनात्मक समझ से ही संभव हैं। अपनी सहानुभूति, संवाद शैली और दूसरों की भावनाओं को समझने की क्षमता को बढ़ाएं। भविष्य में जो व्यक्ति 'लोगों को समझना' जानता है, वही 'मशीनों को चलाना' भी बेहतर कर पाएगा। रचनात्मक सोच वह क्षेत्र है जहां एआई अभी भी पीछे है। एआई मौजूदा डेटा के आधार पर सुझाव देता है, लेकिन नई और मौलिक अवधारणा गढ़ने की क्षमता केवल मनुष्य के पास है।

कलाकार, डिजाइनर, लेखक, उद्यमी और इनोवेटर—इन सभी को भविष्य में बड़ा स्थान मिलेगा। रचनात्मक सोच का अभ्यास करें: पेंटिंग, कहानी लेखन, संगीत, डिजाइन थिंकिंग या किसी समस्या के नए समाधान निकालना। सिर्फ़ जानकारी याद कर लेना काफी नहीं है। जरूरी है सवाल करना, 'ये बात सच में सही है या नहीं? इसके पीछे कौन-सी धारणाएं छिपी हैं? इसका दूसरा पहलू क्या है?' मशीन आपको बहुत जवाब दे सकती है, लेकिन सही को चुनना और गहराई से समझना इंसान ही कर सकता है। आपके सामने कोई अखबार की खबर आती है कि 'यह दवा हर बीमारी का इलाज है।' मशीन उस खबर को हज़ारों तरीकों से कॉपी कर सकती है, लेकिन एक इंसान ही यह सवाल पूछ सकता है, 'क्या यह सच है? इसके पीछे किसका लाभ छिपा है? क्या इसके प्रमाण हैं?' जैसे किसी समझदार किसान की तरह, जो बीज बोने से पहले मिट्टी को परखता है। वह आंख बंद करके नहीं बोता। उसी तरह, सोचने वाला इंसान भी हर बात को परखता है।

यही आदत आपको धोखे से बचाती है और सच्चाई तक ले जाती है। जिम्मेदार और अनुशासन आदत है अपने वचन निभाने की। वह काम पूरा करना जो आपने तय किया, चाहे मन न हो, चाहे थकान हो। मशीन को मेहनत करने की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन इंसान जब मुश्किल होने पर भी टिकता है, तभी असली ताक़त पैदा होती है। थॉमस एडिसन, बल्ब बनाने वाला वैज्ञानिक, उसने हज़ारों बार प्रयोग किया और असफल हुआ। अगर वह बीच में छोड़ देते तो आज अंधेरा ही रहता। एआई किसी समस्या का समाधान डेटा के आधार पर करता है, लेकिन जटिल मानवीय या सामाजिक समस्याओं का समाधान केवल इंसान ही सोच सकता है। 'क्यों', 'कैसे' और 'क्या' पूछने की आदत डालें। समस्या को देखने के कई दृष्टिकोण अपनाएं और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करें। तकनीक तेजी से बदल रही है, इसलिए 'सीखते रहना' ही भविष्य का सबसे बड़ा हथियार है। नई तकनीकों, टूल्स और ट्रेंड्स के साथ खुद को अपडेट रखें। अगर आप एक कौशल में विशेषज्ञ हैं, तो उससे जुड़े नए क्षेत्रों में भी ज्ञान बढ़ाएं। एआई के प्रयोग के साथ कई नैतिक सवाल भी उठते हैं-डेटा गोपनीयता, फेक न्यूज, साइबर सुरक्षा आदि।

भविष्य में वे पेशेवर मूल्यवान होंगे जो तकनीक के साथ-साथ उसकी नैतिक सीमाओं को भी समझेंगे। समाज के लिए जिम्मेदार तकनीकी उपयोग की समझ विकसित करना बहुत ज़रूरी है। इसलिए, भविष्य में आपको मशीन से मुकाबला करने की ज़रूरत नहीं है। वह तो हमेशा तेज़ रहेगी। आपको इंसानियत को संभालना है,स्पष्ट सोच, मज़बूत चरित्र, सच लिखने-बोलने की हिम्मत, बातचीत और समझौते की कला, और दूसरों को प्रेरित करने की शक्ति। यही असली ताक़त है, यही गुण कभी भी बदले नहीं जा सकते। भविष्य में एआई के दौर में असली ताक़त उन लोगों के पास होगी, जिनके पास ये मानवीय गुण होंगे। मसरल, सवाल पूछने की हिम्मत, कठिनाई में टिके रहने का अनुशासन, अपने विचारों को लिखकर स्पष्ट करने की कला, भरोसे से बातचीत करने की क्षमता और दूसरों को प्रेरित करने का नेतृत्व। यही वह रास्ता है जिससे इंसान हमेशा मशीन से आगे रहेगा।

पुराने कुर्ती के लुक को ऐसे करें अपडेट

कुर्ती भारतीय महिलाओं की सबसे पसंदीदा और आरामदायक कपड़ों में से एक है। यही वजह है कि महिलाएं दफ्तर से लेकर पार्टी और आउटफिट के दौरान भी कुर्ती पहनना पसंद करती हैं। अब तो फिल्मों में भी बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों ने भी कुर्ती को काफी अलग और स्टाइलिश अंदाज में कैरी किया है। इसीलिए हर उम्र की महिलाओं के पास कुर्तियों का कलेक्शन होता ही है, पर अक्सर इसे एक ही तरह से पहनते-पहनते स्टाइल बोरिंग लगने लगता है। ऐसे में अब समय है कि आप अपने पुराने कुर्ती लुक को अपडेट करें और उसे एक नए फ्यूजन या वेस्टर्न टच के साथ स्टाइल करें। कुछ स्टाइलिश, कंफर्टेबल और ट्रेंडी कुर्ती स्टाइलिंग टिप्स, जो हर महिला के वार्डरोब में नया चार्म ला सकते हैं।

ऐसे फुटवियर पहनें

आमतौर पर ड्रेस के साथ मैचिंग फुटवियर लोगों की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं गलत फुटवियर पहनने से आपका लुक खराब भी हो सकता है। ऐसे में ड्रेस के साथ बेस्ट फुटवियर सेलेक्ट करना अपने आप में काफी चैलेंजिंग टास्क होता है। इसलिए अपने कुर्ती लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए फुटवियर सही चुनें। यदि स्किनी जींस के साथ कुर्ती पहन रहीं हैं तो आप कोल्हापुरी चप्पल पहन सकती हैं। वाइड लेग जींस के साथ स्नीकर्स अच्छे लगेंगे। वहीं स्कर्ट के साथ आप चाहें तो मोजरी या हील्स पहनें।

स्किनी जींस के साथ

खूबसूरत प्रिंट और शानदार डिज़ाइन में आने वाली ये शॉर्ट कुर्ती डेली वियर के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं। लोग जीन्स के साथ कुर्तियों को पहनना पसंद करते हैं क्योंकि कुर्ती को हम कहीं भी पहन के जा सकते हैं। चाहे ऑफिस जाना हो या कहीं बाहर घूमने जाना हो कुर्ती हमेशा से लड़कियों की पहली पसंद रही है। यदि आप स्कर्ट में कंफर्टेबल नहीं हैं तो फिटिंग वाली कुर्ती को स्किनी जींस के साथ पहनें। स्किनी जींस के साथ घुटने के बराबर तक की कुर्ती अच्छी लगती है। ध्यान रखें कि अगर आप स्किनी जींस के साथ कुर्ती पहन रहीं हैं तो इसकी लंबाई सही हो।

वाइड लेग जींस के साथ

जींस हमारे फैशन का अहम हिस्सा है। हम सभी रोजाना जींस कैरी करते हैं। इसलिए मार्केट में आपको जींस की कई वैरायटी मिल जाएंगी। आजकल की जेन जी जनरेशन को स्किनी जींस की जगह वाइड लेग या फिर लूज फिटिंग की जींस पहनना पसंद आता है। यह जींस स्किन पर चिपकती नहीं है। यह खुली-खुली नजर आती है। लेकिन आप इसे केवल 1-2 तरीके से ही स्टाइल करती हैं। इसके साथ भी फिटिंग की कुर्ती अच्छी लगती है, लेकिन अगर आप अलग दिखना चाहती हैं तो हल्की सी लूज कुर्ती इसके साथ कैरी करें। खासतौर पर अगर इसके साथ आप शॉर्ट कुर्ती पहनेंगी तो आपका लुक और अच्छा दिखेगा। कैजुअल लुक के लिए आप वाइड लेग जींस को क्रॉप टॉप के साथ वियर कर सकती हैं।

स्कर्ट के साथ

ज्यादातर महिलाओं में कुछ नया ट्राय करने का क्रेज काफी ज्यादा होता है अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। एक समय था जब कुर्ती को सिर्फ और सिर्फ पायजामी के साथ पहना जाता था, लेकिन अब समय बदल गया है। आज के समय में इसे महिलाएं स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। स्कर्ट के साथ कुर्ती देखने में बेहद कमाल की लगती है। स्कर्ट के साथ तो शॉर्ट और लॉन्ग दोनों तरह की कुर्ती पहनी जा सकती हैं।

सही ज्वेलरी है जरूरी

स्टाइलिंग की बात करें तो प्लेन कुर्ती के साथ अधिकतर हम स्टेटमेंट ज्वेलरी को स्टाइल करना पसंद करते हैं और अपने हिसाब से इसे स्टाइल भी करते हैं। बात जब कुर्ती की हो रही है तो उसके साथ सही एक्सेसरीज कैरी करना जरूरी है। इसके लिए आपको बस गले में हल्का सा चोकर कैरी करना है और कानों में झुमके। सिर्फ झुमके भी आपके लुक को पूरी तरह से बदलने का काम करेंगे।

हंसना मना है

मंदिर में पूजा करते समय गांव की एक लोभी महिला भगवान से बोली-भगवान, तेरे लिए एक सेकंड कितने सालों के बराबर है? भगवान- करोड़ों साल के बराबर, महिला- और करोंड़ो रुपये कितने के बराबर होते हैं? भगवान- रत्ती बराबर, लालच से महिला बोली- एक रत्ती मुझे भी दे दीजिए, भगवान बोले- एक सेकंड मंदिर में ही रूको, लाकर देता हूं...

एक सज्जन आदमी ने एक सात साल की लड़की से पूछा -तुम्हारे बाल वाकई बहुत सुन्दर हैं..ये तुम्हें किससे मिले हैं, मम्मी या पापा से..लड़की ने बड़े सरल लहजे में उत्तर दिया, जहां तक मेरा खयाल है, मुझे ये बाल मेरे पापा से मिले हैं, क्योंकि उनके सिर के सारे बाल गायब हैं...

टीचर- बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट- बंदर, टीचर- किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट -नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला।

लड़की- तुम क्या कर रहे हो? लड़का- मच्छर मार रहा हूं, लड़की- कितने मारे? लड़का- 5 मारे, 3 फिमेल ओर 2 मेल, लड़की- कैसे पता चला, मेल है या फिमेल, लड़का- 3 आईने के पास बैठे थे ओर 2 बियर के पास।

कहानी | मेंढक और बैल

बहुत पुरानी बात है। किसी घने जंगल में एक तालाब था, जिसमें ढेर सारे मेंढक रहते थे। उन्हीं में एक मेंढक अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। वो सभी तालाब में ही रहते और खाते-पीते थे। उस मेंढक की सेहत अच्छी-खासी हो चुकी थी और वो उस तालाब में सबसे बड़ा मेंढक बन चुका था। उसके बच्चे उसे देखकर काफी खुश होते थे। उसके बच्चों को लगता कि उनके पिता ही दुनिया में सबसे बड़े और बलवान हैं। मेंढक भी अपने बच्चों को अपने बारे में झूठी कहानियां सुनाता और उनके सामने शक्तिशाली होने का दिखावा करता था। उस मेंढक को अपने शारीरिक कद-काठी पर बहुत घमंड था। ऐसे ही दिन बीतते गए। एक दिन मेंढक के बच्चे खेलते-खेलते तालाब से बाहर चले गए। वो पास के एक गांव पहुंचे। वहां उन्होंने एक बैल को देखा और उसे देखते ही उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने कभी इतना बड़ा जानवर नहीं देखा था। वो बैल को देखकर डर गए और बहुत ज्यादा हैरान हो गए। वो बैल को देखे जा रहे थे और बैल मजे से घास खा रहा था। घास खाते-खाते बैल ने जोर से हुंकार लगाई। बस फिर क्या था, मेंढक के तीनों बच्चे डर के मारे भागकर तालाब में अपने पिता के पास आ गए। पिता ने उनके डर का कारण पूछा। उन तीनों ने पिता को बताया कि उन्होंने उनसे भी विशाल और ताकतवर जीव को देखा है। उन्हें लगता है वो दुनिया का सबसे बड़ा और शक्तिशाली जीव है। यह सुनते ही मेंढक के अहंकार को ठेस पहुंची। उसने एक लंबी सांस भरकर खुद को फुला लिया और कहा 'क्या वो उससे भी बड़ा जीव था?' उसके बच्चों ने कहा, 'हां, वो तो आप से भी बड़ा जीव था।' मेंढक को गुस्सा आ गया, उसने और ज्यादा सांस भरकर खुद को फुलाया और पूछा, 'क्या अब भी वो जीव बड़ा था?' बच्चों ने कहा, ' ये तो कुछ भी नहीं, वो आपसे कई गुना बड़ा था।' मेंढक से यह सुना नहीं गया, वह सांस फुला-फुलाकर खुद को गुब्बारे की तरह फुलाता चला गया। फिर एक वक्त आया जब उसका शरीर पूरी तरह फुल गया और वो फट गया और अहंकार के चक्कर में अपनी जान से हाथ धो बैठा।

7 अंतर खोजें

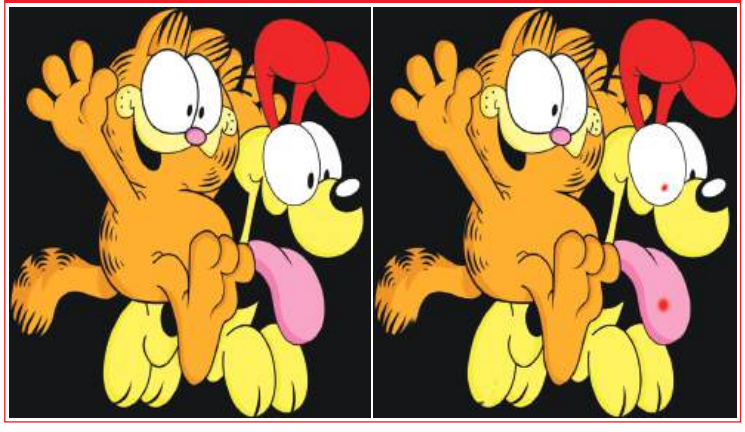

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच-समझकर हाथ डालें। जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

कन्या व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

धनु कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

मकर धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पूजा-पाठ में मन लगेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। विवेक से कार्य करें।

बॉलीवुड ऑकड़े

फिल्म मस्ती 4 को मिली धीमी शुरुआत

साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म मस्ती की फ्रेंचाइजी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौट आई है। रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की तिकड़ी वाली मस्ती 4 ने आज बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे दी है। लंबे समय से इस फिल्म को लेकर उम्मीदें थीं और अब पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। फिल्म ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, मस्ती 4 ने पहले दिन 1.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि फिल्म ने धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत दर्ज की है। हालांकि, फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और लंबे समय बाद तीनों एक्टर्स की वापसी को देखते हुए उम्मीद की जा रही थी कि फिल्म ओपनिंग डे पर 4 करोड़ के करीब पहुंच सकती थी। बावजूद इसके, शुक्रवार की धीमी शुरुआत के साथ भी फिल्म ने अपनी पकड़ बनाए रखी है। दर्शकों की रुचि का बड़ा कारण यह है कि यह फ्रेंचाइजी 2004 में आई पहली 'मस्ती' से ही अपनी बोल्ड कॉमेडी और तीन दोस्तों की केमिस्ट्री के लिए जानी जाती है। ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती के बाद लगभग नौ साल बाद यह चौथा पार्ट रिलीज हुआ है। एक बार फिर रितेश देशमुख 'अमर', विवेक ओबेरॉय 'मीत' और आफताब शिवदासानी 'प्रेम' के किरदारों को निभा रहे हैं, जिनकी जिंदगी शादी के बाद नीरस हो जाती है और वही पुरानी शरारतें वापस शुरू हो जाती हैं। फिल्म का ट्रैक पुराने दर्शकों के लिए नॉस्टैल्जिया लेकर आया है। इस बार कहानी को नए अंदाज में पेश करने के लिए फिल्म में एलनाज नोरोजी, नरगिस फाखरी, अरशद वारसी, नतालिया जानोशेक जैसे कलाकार भी जुड़े हैं। इन किरदारों के आने से फिल्म का कॉमिक टेंपो और तेज हुआ है। फिल्म के बजट की बात करें तो बॉक्स ऑफिस विश्लेषक रोहित जैसवाल के अनुसार, मस्ती 4 लगभग 25 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। इसमें प्रमुख शूटिंग लोकेशन लंदन, बर्मिंघम और ईस्टबोर्न शामिल हैं, जहां फिल्म की कहानी का बड़ा हिस्सा फिल्माया गया है।

महिलाएं जब साथ देती हैं तो जादू होता है : रश्मिका

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्त्री ऊर्जा यानी फेमिनिन एनर्जी के बारे में एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि असली स्त्री ऊर्जा क्या होती है। रश्मिका ने बताया है कि अगर कोई महिला अपने अंदर की आवाज से जुड़ जाती है, तो उसके अंदर कई बदलाव आते हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में रश्मिका ने लिखा स्त्री ऊर्जा में एक खास जादू होता है। जब आप खुद से जुड़ जाती हैं, तो आप चीजों को साफ-साफ देखने लगती हैं। लोगों को पहचान जाती हैं और स्थितियों को पहले से समझ जाती हैं। कई बार आपको लगता है कि कुछ गलत होने वाला है। आपका मन आपको सावधान करता है। हालांकि हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं क्योंकि जिंदगी बहुत जटिल है। रश्मिका ने लिखा महिलाएं जब एक-दसरे को सहारा देती हैं और सिर्फ यह कहती हैं कि मैं तुम्हारे साथ हूं, तो एक अलग जादू होता है। उस कोमलता में बहुत ताकत होती है। स्त्री शक्ति कमजोर नहीं है। हां यह कोमल जरूर है लेकिन यह मजबूत है और प्यार से भरी हुई है। जब महिलाएं इस तरह की ऊर्जा के साथ एकजुट होती हैं तो उन्हें कोई रोक नहीं सकता। रश्मिका ने आखिर में लिखा मैं देख रही हूं कि आप में से बहुत सी महिलाओं में यह शक्ति है। जिन्हें अभी तक इसके बारे में समझ नहीं है वह जल्द ही इसके बारे में समझेंगी और इसे महसूस करेंगी। जल्द ही इसे पा लेंगी और मजबूर स्त्री ऊर्जा बन जाएंगी। हाल ही में रिलीज हुई रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड का निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। इसके लेखक भी वही हैं। फिल्म के निर्माता अल्लू अरविंद, धीरज मोगीलिनेनी और कोप्पिनीदी विद्या हैं। इसमें रश्मिका के अलावा दीक्षित शेट्टी, अनु इमैनुएल, रोहिणी, कौशिक मेहता और राव रमेश हैं।

मंदाना ने कहा- जब महिला अपने बारे में समझेंगी तो मजबूर स्त्री ऊर्जा बन जाएंगी

अमाल की सलमान ने लगाई जमकर क्लास

इस हफ्ते वीकेंड का वार एपिसोड में सिंगर अमाल मलिक की सलमान खान ने जमकर फटकार लगाई। अमाल की बदतमीजियों से तंग आकर सलमान ने अमाल को शो से बाहर करने तक की धमकी दे डाली। सलमान की डांट सुन अमाल के चेहरे की रंगत उड़ गई। बाकी घरवाले भी सहमे हुए दिखाई दिए। दरअसल, पिछले हफ्ते गौरव खन्ना के कैप्टन बनने पर अमाल ने बिग बॉस को बहुत खरी-खोटी सुनाई थी। अमाल ने बिग बॉस को बायस्ड कहा था। उन्होंने ये भी कहा था कि उन्हें शो में रहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। वो कभी भी बाहर निकल सकते हैं। अमाल की बदतमीजियों को जब पिछले हफ्ते रोहित शेट्टी ने कॉल आउट किया था तो अमाल उन्हीं के सामने चिल्लाने लगे थे। अमाल का ये बिहेवियर लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आया था। इसी बिहेवियर को लेकर अब सलमान ने अमाल की क्लास लगाई है। अमाल पर भड़कते हुए सलमान बोले- अमाल आपका बर्ताव काफी अपमान करने वाला था। अमाल कभी भी स्ट्रॉन्ग लोगों से भिड़ता नहीं है। बस पीठ पीछे उनकी बुराई करता है। गौरव, प्रणित या फरहाना को कभी फेस नहीं किया। सलमान की बात पर अमाल बोले- ऐसा हो ही नहीं सकता है। अमाल की इस हरकत से सलमान और ज्यादा भड़क गए। दबंग खान बोले- सुनना है सुनो। नहीं तो मैं चुप बैठ जाता हूं। कई बार आपके पंगे हो जाते हैं आपके दोस्त शहबाज की वजह से। सलमान फिर शहबाज से बोले- आपको शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि अमाल को लेकर आप कितने पजेसिव हो। जब से आप इस घर में आए हैं, सिर्फ एक चमचा बनकर रह गए हो। आप लोगों ने जो हंगामा किया था कि बिग बॉस अनफेयर हैं। अगर मैं यहां पर होता तो मैं मुख्य द्वार खुलवा देता और ऑप्शन भी नहीं देता। सलमान की फटकार सुन शहबाज काफी सहमे दिखाई दिए। बाकी घरवालों की भी बोलती बंद हो गई।

बोले- अमाल स्ट्रॉन्ग लोगों की बस पीठ पीछे बुराई करता है

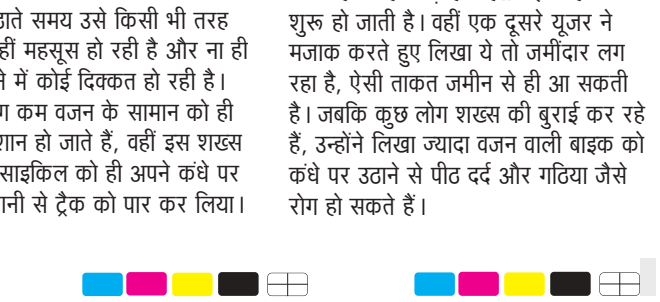

भारत का पहला केस: महिला के लिवर में पल रहा था बच्चा!

यूपी के मेरठ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जो मेडिकल साइंस के लिए किसी रहस्य और चुनौती से कम नहीं है। एक महिला के शरीर में ऐसा चमत्कार हुआ है जिसे अब तक सिर्फ मेडिकल जर्नल्स तक सीमित माना जाता था। भ्रूण न गर्भाशय में था, न पेट में बल्कि सीधा लिवर के अंदर पल रहा था। मेरठ के एक निजी अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टर्स उस वक्त हैरान रह गए जब उन्हें एक 12 हफ्ते का भ्रूण महिला के लिवर के अंदर दिखाई दिया। ये कोई आम प्रेगनेंसी नहीं थी, बल्कि एक इंट्राहैप्टिक एक्टोपिक प्रेगनेंसी यानी ऐसा गर्भ, जो गर्भाशय में न होकर लिवर के भीतर पल रहा था।यह केस मेडिकल हिस्ट्री में भारत का पहला और दुनिया का 40वां केस है। यह स्थिति बेहद खतरनाक होती है क्योंकि लिवर से अत्यधिक रक्तस्राव का खतरा होता है। भ्रूण को निकालना एक बड़ी चुनौती है। बुलंदशहर की रहने वाली महिला दर्द और उल्टी हो रही थी, दवाइयों से भी आराम नहीं लगा, जब जांच कराई और फिर सच्चाई सामने आई।इस महिला को अब इमरजेंसी सर्जरी के ज़रिए इलाज दिया जाएगा। डॉक्टरों का कहना है कि भ्रूण को लिवर से अलग करना बेहद जटिल प्रक्रिया होगी। यह केस मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। महिलाओं में एक्टोपिक प्रेगनेंसी आम होती है, लेकिन लिवर में भ्रूण विकसित होना अत्यंत दुर्लभ है। मेडिकल रिसर्च के अनुसार, दुनिया भर में अब तक सिर्फ 39 केस ही रिपोर्ट हुए हैं, और भारत में यह पहला मामला है। मेरठ का यह मामला अब इंटरनेशनल मेडिकल जर्नल्स की सुर्खियां बन सकता है। एक तरफ ये मेडिकल चमत्कार है तो दूसरी तरफ महिला की जान के लिए एक खतरा भी। सवाल ये है कि मेडिकल साइंस इस जटिल चुनौती से कैसे निपटेगा?

अजब-गजब

रेलवे फाटक पर इंतजार करते-करते परेशान हुआ शख्स

कंधे पर बाइक उठाकर पार की क्रासिंग

भारतीय रेलवे हमेशा से लोगों को सावधानी से रेलवे ट्रैक पार करने के लिए कहता है। हालांकि, कई ऐसे मामले भी देखने को मिलते हैं जब लोगों को उन सावधानियों को नजरअंदाज करते हुए देखा जाता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत शेयर किया जा रहा है। जिसमें एक शख्स को अपने कंधों पर बाइक उठाए हुए एक रेलवे क्रॉसिंग को पार करते दिखाया जा रहा है। इस वीडियो को देख लोग दंग हो गए हैं, और सोशल मीडिया पर उसे 'बाहुबली' के नाम से बुलाने लगे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें एक शख्स रेलवे क्रॉसिंग पर अपनी बाइक को कंधे पर उठाकर ले जाता हुआ दिख रहा है। हालांकि, ये वीडियो कहां का है, यह साफ नहीं हो पाया है, लेकिन यह किसी गांव में रेलवे फाटक के पास का लग रहा है। वीडियो में दिखाया जा रहा है कि रेलवे फाटक बंद होने पर लोग दोनों तरफ इंतज़ार कर रहे हैं।तभी एक आदमी जल्दी में फाटक पार करने के लिए अपने बाइक को कंधे पर उठा लेता है और आराम से दूसरी तरफ चला जाता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बाइक उठाते समय उसे किसी भी तरह की थकान नहीं महसूस हो रही है और ना ही उसे सांस लेने में कोई दिक्कत हो रही है। जहां कई लोग कम वजन के सामान को ही उठाने में परेशान हो जाते हैं, वहीं इस शख्स ने पूरी मोटरसाइकिल को ही अपने कंधे पर रखकर आसानी से ट्रैक को पार कर लिया। आमतौर पर मोटरसाइकिल और टू-व्हीलर का वजन 150 से 200 किलो तक होता है, लेकिन वीडियो में जिस बाइक को शख्स ने कंधे पर उठाया है, वह हीरो हॉन्डा की कोई मॉडल लग रही है। इस तरह की बाइक का औसत वजन करीब 100 से 120 किलो होता है। लोगों को ये यकीन ही नहीं हो रहा कि कोई इतनी आसानी से 100 किलो से ज्यादा वजन वाली बाइक को कंधे पर रखकर रेलवे फाटक पार कैसे कर सकता है। यही वजह है कि वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और हर कोई इस विडियो पर मजेदार रिएक्शन दे रहा है। एक यूजर ने बड़े ही फिल्मी अंदाज़ में लिखा- रेलवे क्रॉसिंग की ऐसी तैसी! हम जहां खड़े होते हैं..लाइन वहीं से शुरू हो जाती है। वहीं एक दूसरे यूजर ने मजाक करते हुए लिखा ये तो जमींदार लग रहा है, ऐसी ताकत जमीन से ही आ सकती है। जबकि कुछ लोग शख्स की बुराई कर रहे हैं, उन्होंने लिखा ज्यादा वजन वाली बाइक को कंधे पर उठाने से पीठ दर्द और गठिया जैसे रोग हो सकते हैं।

यो-यो राजेश्वर राजनीति का रॉकस्टार जन-जन का हीरो

तहजीब की नगरी में रैप के जादू की बिजलियों से चमका लखनऊ

» लखनऊ की सड़कों पर युवाओं की सुनामी हनी सिंह की बीट्स और राजेश्वर का विश्वास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की रातें कभी इतनी रोशन नहीं रहीं। गोमती की हवा कभी इतनी इठलाई नही और सरोजिनी नगर की सड़कें कभी भीड़ से इतनी लबरेज नहीं हुई जितनी उस रात जब डॉ. राजेश्वर सिंह ने युवा ऊर्जा के महासागर में आग लगाकर पूरे शहर को झूमने पर मजबूर कर दिया। कहते हैं कि राजनीति सिर्फ भाषणों से नहीं दिलों तक पहुंचने की कला से चलती है। और उस रात मंच पर यो-यो हनी सिंह की बीट्स पर राजेश्वर सिंह नाम के तेजस्वी राजनेता ने यह साबित कर दिया कि वक्त बदल रहा है जमाना बदल रहा है और राजनीति की परिभाषा भी बदल रही है।

कहते हैं कि लखनऊ नवाबी तहजीब का शहर है। लेकिन उस रात लखनउ की सड़कों पर युवाओं की सुनामी दिखाई दी। 35 हजार से ज़्यादा लोग हज़ारों कैमरों की चमक और मंच पर यो यो हनी सिंह और राजेश्वर सिंह का जुगलबंदी। इस इवेंट ने एक और चीज को साबित किया कि राजनीति अब सिर्फ सड़क-पानी-बिजली के मुद्दों पर नहीं बल्कि दिल जीतने की साइंस पर चलती है। और जिस नेता को भीड़ सिर्फ देखती नहीं बल्कि महसूस करती है उसी का भविष्य चमकता है।

हनी सिंह कंसर्ट सिर्फ शो नहीं रणनीति की मास्टरस्ट्रोक

यह कंसर्ट मनोरंजन के साथ-साथ रणनीति का मास्टरस्ट्रोक था। क्योंकि यह मंच युवाओं तक पहुंचने का सबसे मजबूत रास्ता बना वह युवा जो आज निर्णय लेता है कल सत्ता तय करता है। और यह वही युवा वर्ग है जो राजनीति में तर्क, ऊर्जा, नवाचार और विजन की तलाश में रहता है। राजेश्वर सिंह ने इस एक इवेंट के जरिए लाखों युवाओं के दिलों को एक साथ टच किया। आज सोशल मीडिया पर एक ही वीडियो धूम मचा रहा है और वह है लखनऊ में यो यो हनी सिंह का कनसर्ट और बाते हो रही है कन्सर्ट आयोजित करने वाले विधायक राजेश्वर सिंह की। आज के कार्यक्रम में लाखों मोबाइल फ्लैश की रोशनी और राजेश्वर सिंह का हवा में उठता हाथ जैसे जनता के दिल पर विजय की मुहर लगा रहा हो और लखनऊ चिल्ला रहा है कि यह सिर्फ नेता नहीं अगला अध्याय है। राजेश्वर सिंह ने यह नहीं दिखाया कि राजनीति में क्या किया जाता है उन्होंने दिखाया कि राजनीति कैसे जी जाती है।

नशे से दूर रहो दोस्तों, मैंने कई साल बर्बाद कर दिए : हनी

मंच पर कार्यक्रम की शुरुआत में ही उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहो दोस्तों, मैंने अपनी जिंदगी के कई साल नशे की वजह से बर्बाद कर दिए। मंच पर हनी सिंह के आने से पहले माइक संभाला सरोजनीनगर से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने। उन्होंने कहा कि हनी सिंह ने नशे की लत से खुद को रिहा कर यह साबित कर दिया कि दुनिया उसी की है जो गिरकर संभलना और फिर से उठना जानता है। उन्होंने कहा कि वे आज यूथ आइकन हैं और उनके यहां आने से लखनऊ आज ग्लोबल सिटी बन गया है। इसके बाद मंच पर जैसे ही हनी सिंह की एंट्री हुई तो प्रशंसकों के शोर ने उनका जोरदार स्वागत किया। हनी सिंह ने कहा कि मैं सूखे नशे की गिरफ्त में आ गया था और कई साल बर्बाद कर दिए। इसके बाद कुछ संभला तो शराब की लत लग गई लेकिन मेरे परिवार और विधायक राजेश्वर सिंह व कपिल त्यागी ने मेरा नशा छुड़ाने में मदद की। आज मैं जो कुछ भी हूं वह इन्हीं लोगों की वजह से हूं। हनी सिंह ने युवाओं से अपील की कि वे नशा न करने का वादा करें। कहा, अगर नशा करना ही है तो तरक्की का करो, अपने मां-बाप की इज्जत बढ़ाने का करो और नशा करो तो महादेव की भक्ति का करो।

हनी के साथ थिरके विधायक

दूसरी बार लखनऊ आए हनी सिंह ने कहा कि मैं 2014 में बीमार था और एक गाना तैयार कर रहा था तो मेरी मां ने उस गीत का एक अंतरा लिखा। इस दौरान मंच पर विधायक राजेश्वर सिंह और उनके भाई रामेश्वर सिंह ने जब उन्हें शॉल ओढ़ाकर भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंटकर सम्मान किया तो हनी सिंह के साथ हजारों दर्शक जयश्रीराम, वंदे मातरम और हर हर महादेव का उद्घोष करने लगे। इसके बाद हनी सिंह ने धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना... गीत गाया जिस पर राजेश्वर सिंह भी थिरकने लगे। इस दौरान प्रशंसकों ने न सिर्फ जमकर डांस किया बल्कि वीडियो और सेल्फी भी खिंचवाई।

हनी सिंह ने गाये हिट 20 गाने

लखनऊ के स्मृति उपवन में अपने लोकप्रिय गाने मिलिनेयर के साथ मंच पर जबरदस्त एंट्री मारते हुए अपने फैंस का दिल जीत लिया। इस दौरान स्मृति उपवन सीटी-तालियों के साथ-साथ हूटिंग से गूंज उठा। हनी सिंह के कॉन्सर्ट का लुत्फ उठाने के लिए करीब हजारों युवाओं की भीड़ इक्टठा हुई थी। स्टेज पर हनी सिंह ने लाइव परफॉर्मेंस के दौरान दिल चोरी साड्डा हो गया गाया और अपना कोट तक उतारकर दर्शकों को दे दिया। कार्यक्रम में लड़कियां उनके गाने पर एलाइंग किस करती दिखाई दीं। बैरिकेडिंग पर चढ़कर कुछ फैंस ने तो चिल्लाकर कहा हनी सिंह रैप का बाप है उसके आगे बादशाह कुछ भी नहीं। कॉन्सर्ट के दौरान हनी सिंह ने अपने फैंस को एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कभी शराब या सूखे नशे का सहारा मत लेना। जो लोग कहते हैं कि यह भोलेनाथ का प्रसाद है वह झूठ बोल रहे हैं। सेहत और समाज के लिए यह हानिकारक है।

जबर्दस्त सेफ्टी, माइंड ब्लोइंग व्यवस्था

हनी सिंह का लखनऊ कंसर्ट केवल संगीत का उत्सव नहीं था। बल्कि यह सुरक्षा प्रबंधन का एक अनुकरणीय माडल भी साबित हुआ। अनुमानित भीड़ को संभालना किसी भी प्रशासन और आयोजक टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन सरोजनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत और आधुनिक थी कि शुरुआत से अंत तक कार्यक्रम बिना किसी अव्यवस्था, भगदड़ या विवाद के शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी संभावित खतरे को रोकने के लिए दिल्ली से विशेष रूप से 250 प्रोफेशनल बाउंसर बुलाए गए थे जिन्हें बड़े स्तर के भीड़ प्रबंधन का अनुभव है। इनके साथ 200 से ज्यादा प्रशिक्षित वॉलंटियर्स भी तैनात थे जो एंट्री गेट्स, एक्सिट प्वाइंट्स, वीवीआईपी ज़ोन और प्रेस एरिया में सक्रिय रहे। पूरे स्थल को 100 हाई डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों से कवर किया गया था जिससे हर गतिविधि पर रीयल टाइम निगरानी रखी जा सके। बता दे हनी का क्रेज सिर्फ मंच पर हह नहीं दिख रही था। उस मैदान की ओर जाने वाली हर सड़क दर्शकों के हुजूम से पटा पड़ा था। प्रशासन ने भी मुस्तैदी से सारे इंतजाम किए थे। सड़क पर भारी पुलिस व्यवस्था भी किया गया था। लोगों को सड़क के किनारे चलने के संदेश भी दिए जा रहे थे। आयेजकों ने नीजि सुरक्षा भी लगा रखी थी। वालंटियर भी लोगों की मदद में लगे थे। कुल मिलाकर सुरक्षा के बढ़िया इंतजाम किया गया था।

सीजेआई की शपथ में राहुल के न पहुंचने पर मचा बवाल

भाजपा ने उठाए नेता प्रतिपक्ष पर सवाल, कांग्रेस मौन

» स्वतंत्रता दिवस के समारोह में भी खरगे और राहुल गांधी नहीं आए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के नए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की शपथ ग्रहण कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की गैर मौजूदगी पर बवाल मच गया है। इसको लेकर बीजेपी ने सवाल उठाए हैं। बीजेपी नेता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए राहुल पर निशाना साधा है। गौरतलब है कि राहुल लाल किले पर आयोजित 15 अगस्त के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे थे। भंडारी ने अपने पोस्ट में लिखा है कि भारत के नए चीफ जस्टिस सूर्यकांत के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राहुल गांधी क्यों शामिल नहीं हुए? उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा कि बतौर लोकसभा में विपक्ष के नेता की कार्यवाही में बाधा पहुंचाने, संवैधानिक पदों के लिए होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहने के अलावा राहुल ने बतौर विपक्ष के नेता और क्या महत्वपूर्ण काम किया है।

जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें चीफ जस्टिस (सीजेआई) के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही, ज्यूडिशियरी के हेड के तौर पर उनका 14 महीने का कार्यकाल शुरू हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें शपथ दिलाई। इसके साथ ही, ज्यूडिशियरी के हेड के तौर पर उनका 15 महीने का कार्यकाल शुरू हो गया है। बता दें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी जब लाल किले पर समारोह का आयोजन हुआ था तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत राहुल गांधी इस समारोह में नहीं आए थे। उस वक्त भी बीजेपी ने राहुल पर सवाल उठाए थे. हालांकि, बाद में कांग्रेस ने जवाब देते हुए कहा था कि जो भी विपक्ष का नेता होता है उसे अग्रिम पंक्ति में बैठाया जाता है. लेकिन पिछले साल राहुल को पिछली पंक्ति में बैठाया गया था। इसलिए इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह में राहुल नहीं गए थे। चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह में राहुल गांधी क्यों नहीं गए हैं इसपर कांग्रेस की तरफ से या खुद राहुल की तरफ से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी उपस्थित थे। वे जस्टिस बी.आर. गवई के उत्तराधिकारी बने, जिन्होंने रविवार शाम को पद छोड़ दिया था। 30 अक्टूबर को नियुक्त किए गए जस्टिस कांत 9 फ़रवरी 2027 को 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे।

लंबित मामलों को कम करना सर्वोच्च प्राथमिकता : सीजेआई सूर्यकांत

शपथ ग्रहण से पहले, मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा कि न्यायिक लंबित मामलों को कम करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वे जिला और अधीनस्थ न्यायालयों के कामकाज में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने के लिए उच्च न्यायालयों के साथ परामर्श करेंगे। न्यायमूर्ति कांत ने यह भी कहा कि लंबे समय से लंबित मामलों की सुनवाई के लिए अगले कुछ हफ्तों में पांच, सात और नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठें गठित की जाएंगी। उन्होंने अदालतों का बोझ कम करने के लिए मध्यस्थता और अन्य वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों को मजबूत करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र के बीच विवादों के समाधान के लिए सामुदायिक मध्यस्थता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भारत के 53वें चीफ जस्टिस को राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

सुप्रीम कोर्ट मुख्य पीठों का हिस्सा रहे

जस्टिस कांत उन सुप्रीम कोर्ट पीठों का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने के फैसले को बरकरार रखा, औपनिवेशिक काल के राजद्रोह कानून को रोकते हुए निर्देश दिया कि इस आधार पर कोई नई एफआईआर दर्ज न की जाए, और राज्य विधेयकों से जुड़े राज्यपाल तथा राष्ट्रपति के अधिकारों पर आए राष्ट्रपति संदर्भ की सुनवाई की। वे उस पीठ में भी शामिल थे जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2022 की पंजाब यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा चूक की जांच के लिए जस्टिस इंदु मल्होत्रा की अध्यक्षता में समिति गठित की थी। अदालत ने कहा था कि ऐसे मामलों की जांच के लिए न्यायिक दृष्टि आवश्यक है। जस्टिस कांत ने वन रैंक वन पेंशन योजना को सही ठहराया और स्थायी आयोगमें समानता की मांग करने वाली महिला अधिकारियों की याचिकाओं की सुनवाई जारी रखी। वे सात-न्यायाधीशों वाली उस संवैधानिक पीठ का भी हिस्सा थे जिसने 1967 के एएमयू फैसले को पलट दिया। इसके अलावा वे पेगासस स्पाईवेयर मामले की सुनवाई करने वाली पीठ में भी शामिल थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रय सुरक्षा के नाम पर राज्य को बिना शर्त छूट नहीं दी जा सकती।

नहीं रहे दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र

» घर पर ही उनका इलाज चल रहा था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र का निधन हो गया है। वह 12 नवंबर को ही अस्पताल से घर लौटे थे। धर्मेंद्र को 31 अक्टूबर को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। लेकिन 12 नवंबर की सुबह करीब साढ़े सात बजे उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। उसके बाद से घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। धर्मेंद्र का जन्म 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के साहनेवाल गांव में हुआ था। 65 साल के करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और वह हिंदी सिनेमा में सबसे ज्यादा हिट फिल्मों का रिकॉर्ड रखते हैं।

धर्मेंद्र ने 1960 में दिल भी तेरा हम भी तेरे से डेब्यू किया और 1960 के दशक में पॉपुलर हो गए। उनका आई मिलन की बेला, फूल और पत्थर और आए दिन बहार के ने उन्हें इस दशक में रातोंरात पॉपुलैरिटी दिलाई। वहीं उन्हें हीमैन का दर्जा दिया गया, जो आज भी कायम है। उनकी फिल्में शोले से लेकर यमला पगला दीवाना तक सभी फिल्में फैंस की फेवरेट रही हैं। धर्मेंद्र ने शोले, धर्मवीर, चुपके चुपके, मेरा गांव मेरा देश और ड्रीम गर्ल जैसी कई यादगार फिल्में दी हैं। हाल ही में वो शाहिद कपूर-कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए थे। अब वो जल्द ही अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्कीस में दिखेंगे, जो 25 दिसंबर को रिलीज होगी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें धर्मेंद्र को शानदार अंदाज देखने को मिला। वहीं दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति मुर्मु और अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने धर्मेंद्र को एक महान कलाकार और प्रेरणास्रोत बताया।

आईजीआई एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा

» अफगान विमान की गलत रनवे पर लैंडिंग, जांच के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर पायलट ने गलती से उस रनवे पर विमान की लैंडिंग करा दी, जिसका इस्तेमाल टेक-ऑफ के लिए किया जाता है। पायलट ने इस मामले में अपनी गलती न स्वीकारते हुए सारा दोष आइएलएस सिस्टम व दिल्ली के मौसम में व्याप्त कम दृश्यता को बताया है। इस मामले में जांच के आदेश डीजीसीए ने दिए हैं।

मामला काबुल से दिल्ली पहुंची एरियाना अफगान फ्लाइट्स का है। उड़ान संख्या एफजी 311 को रनवे 29 एल पर लैंडिंग की क्लियरेंस एटीसी ने दी। लेकिन इस उड़ान ने 29 एल के बजाय 29 आर पर अपनी लैंडिंग कराई। गनीमत यह रही कि उस समय रनवे 29आर पर कोई उड़ान टेक-ऑफ की तैयारी में नहीं था। ऐसे में लैंडिंग सुरक्षित रही। क्या विमान का पायलट दिशाभ्रम का शिकार हो गया। या फिर जीपीएस स्पूफिंग की समस्या एक बार फिर आईजीआई एयरपोर्ट पर पायलट द्वारा महसूस की गई। ऐसे अनेक सवाल हैं, जिनके उत्तर को जांच में तलाशा जाएगा। इससे पहले भी कई दुर्घटनाएं पिछले तीन महीने में हे चुकीं हैं।

रुपये में गिरावट को लेकर पीएम मोदी पर प्रहार

» कांग्रेस ने पुराने बयान पर घेरा, जयराम रमेश ने 2013 का वीडियो सुनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट को लेकर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनके एक पुराने बयान का हवाला देते हुए कटाक्ष किया और कहा कि क्या प्रधानमंत्री को अपना कथन याद है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी के जिस बयान का हवाला दिया वह कथित तौर पर जुलाई, 2013 का

है, जिसमें गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी ने कहा था कि कभी-कभी लगता है कि केंद्र सरकार और रुपये में गिरने की स्पर्धा चल रही है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार गिरावट जारी है। यह अब 90 रुपये के निचले स्तर को पार करने के करीब है। क्या प्रधानमंत्री को याद है कि उन्होंने खुद जुलाई, 2013 में क्या कहा था? अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले शुक्रवार को रुपया धराशायी हो गया था जब डॉलर के मुकाबले यह 98 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 89 के स्तर को पार कर सर्वकालिक निचले स्तर 89.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर सोमवार को शुरुआती कारोबार में 49 पैसे की बढ़त के साथ 89.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

तमिलनाडु में दो बसों में टक्कर, 6 लोगों की मौत

» तेनकासी जिले में बड़ा हादसा, 28 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के तेनकासी जिले में सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हो गए। इस सड़क हादसे पर पुलिस ने जानकारी दी है। मदुरै से सेनकोट्टई जा रही एक निजी बस और तेनकासी से कोविलपट्टी जा रही एक अन्य बस के बीच टक्कर हो गई।

टक्कर के बाद दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों और दमकलकर्मियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एनडीटीवी को बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि मदुरै से सेनकोट्टई जा रही बस का ड्राइवर लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। अधिकारियों ने कहा, जांचकर्ताओं का मानना है कि बस चालक की तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई।

टिहरी के कुंजापुरी मंदिर के पास बस हादसा, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

कुंजापुरी। उत्तराखंड के ऋषिकेश के पास स्थित टिहरी जिले के कुंजापुरी में एक बस हादसे की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक कुंजापुरी मंदिर के पास एक बस नीचे गिर गई, जिस कारण यह हादसा हुआ है, इस हादसे में कई लोगों के मारे जाने और 20 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। ताजा जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र नरेन्द्रनगर के अंतर्गत कुंजापुरी-हिंडोलाखाल के पास एक बस लगभग 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई है। इस बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने की संभावना जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी के निर्देशानुसार पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटि कॉलोनी व एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय से एसडीआरएफ की कुल 05 टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना की जा चुकी हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक बस में कुल 28 यात्री सवार थे. दुर्घटना में 5 व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत की पुष्टि हो गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।